डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार वितरण का भव्य समारोह संपन्न

सुधीर श्रीवास्तव
ब्यूरो रिपब्लिक रैनैसां

लखनऊ। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा कानपुर रोड, लखनऊ में स्थित साक्षरता निकेतन के कबीर थियेटर में डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय स्तर के इस पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र सिंह, आई.ए.एस. (से.नि.) सदस्य-सचिव, भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट, नई दिल्ली तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.), अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश रेरा एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ ने किया। उक्त समारोह में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.), श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.), सदस्य, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अतिरिक्त श्री विक्रमाजीत तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) सहित अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे। डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024 इस वर्ष जिला कारागार, फतेहपुर, अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह, बरेली एवं गंगा महिला स्वयं सहायता समूह, मुजफ्फरनगर को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। जिला कारागार, फतेहपुर को साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह, बरेली एवं गंगा महिला स्वयं सहायता समूह, मुजफ्फरनगर को कृषि कार्य में अभिनव प्रयोग के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कृत संस्थाओं को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा नकद धनराशि, स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं शॉल आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के द्वारा साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा तथा कृषि विकास आदि के क्षेत्रों में दिए गए अभूतपूर्व योगदान को दृष्टिगत रखते हुए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा उनके सम्मान में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को वर्ष 2023 से प्रारम्भ किया गया है। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर ने महात्मा गाँधी की प्रेरणा से भारत में निरक्षरता के अन्धकार को मिटाने का बीड़ा उठाया था। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्री के. एम. मुंशी के आग्रह पर डॉ. फिशर ने वर्ष 1956 में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (साक्षरता निकेतन), लखनऊ की स्थापना की और युवाओं को असाक्षरों एवं नव प्रौढ़ शिक्षार्थियों को पढ़ाने हेतु प्रशिक्षित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र सिंह ने डॉ. वेल्दी फिशर के विषय में कहा कि वे अमेरिका अथवा भारत की नागरिक नहीं, बल्कि वो विश्व-नागरिक थीं। भाषा, धर्म, देश, जाति आदि की सीमाएँ उनके मार्ग में बाधा नहीं बनीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी ने अपने सम्बोधन में बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए अनेकानेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए और भारत सरकार द्वारा वर्ष 1980 में उनके सम्मान में 30 पैसे का डाक टिकट भी जारी किया गया था। कार्यक्रम के अन्त में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार, श्री

प्रवीन टण्डन ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के विशेष कार्याधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, श्री सुधाकर मान सिंह, श्री राम चन्द्र यादव, श्री प्रदीप कुमार सिंह एवं सुश्री शालिनी सक्सेना आदि के साथ-साथ इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, राज्य संसाधन केन्द्र, जन शिक्षण संस्थान एवं वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरित भविष्य की ओर एक कदम डॉ राजेश्वर सिंह ने दिए

सम्मान समारोह आयोजित

सरोजनीनगर,लखनऊ। सरोजनीनगर के कानपुर रोड स्थित इण्डिया लिट्रेसी बोर्ड (साक्षरता निकेतन) में डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष जिला कारागार फतेहपुर व बरेली के अन्नपूर्णा व मुजफ्फरनगर के गंगा महिला स्वयं सहायत समूह को सम्मानित किया गया। इंडिया लिट्रेसी बोर्ड के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आइएएस संजय आर भूसरेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित इस पुरस्कार समारोह में रिटायर्ड आइएएस रवीन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इंडिया लिट्रेसी बोर्ड की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर द्वारा साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा तथा कृषि विकास के क्षेत्रों में दिए गए अभूतपूर्व योगदान को दृष्टिगत रखते हुए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा उनके सम्मान में वर्ष–2023 से स्वयं सेवी संगठनों को सम्मानित किया जा रहा है। इस वर्ष का पहला पुरस्कार जिला कारागार फतेहपुर को दिया गया। फतेहपुर जिला कारागार को साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जिला जेल फतेहपुर डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार से सम्मानित

सरोजनीनगर-लखनऊ (एसएनबी)। इंडिया लिटरेसी बोर्ड शनिवार को कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन में डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष जिला कारागार फतेहपुर व बरेली के अन्नपूर्णा व मुजफ्फरनगर के गंगा महिला स्वयं सहायता समूह को सम्मानित किया गया। इंडिया लिट्रेसी बोर्ड के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस संजय आर भूसरेड्डी की अध्यक्षता में पुरस्कार समारोह में रिटायर्ड आईएएस रविंद्र सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

महिला स्वयं सहायता समूह व मुजफ्फरनगर के गंगा महिला स्वयं सहायता समूह को कृषि कार्य में अभिनव प्रयोग के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

बरेली के अन्नपूर्णा व मुजफ्फरनगर के गंगा महिला स्वयं सहायता समूह भी पुरस्कृत

इंडिया लिट्रेसी बोर्ड की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर द्वारा साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा तथा कृषि विकास के क्षेत्रों में दिए गए अभूतपूर्व योगदान को दृष्टिगत रखते हुए इंडिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा उनके सम्मान में वर्ष-2023 से स्वयंसेवी संगठनों को सम्मानित किया जा रहा है। इस वर्ष का पहला पुरस्कार जिला कारागार फतेहपुर को दिया गया। फतेहपुर जिला कारागार को साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में किये गए उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार सम्मानित किया गया जबकि बरेली के अन्नपूर्णा

मुख्य अतिथि रवीन्द्र सिंह ने कहा कि डॉ. वेल्दी फिशर अमेरिका अथवा भारत की नागरिक नहीं, बल्कि वो विश्व-नागरिक थीं। उक्त पुरस्कार में पुरस्कृत संस्थाओं को इंडिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा नकद धनराशि, स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं शॉल आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण तथा थीम-सॉन्ग के समूह गायन से प्रारम्भ हुआ। इस मौके पर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस जी. पटनायक व सेवानिवृत्त आईएएस भानु प्रताप सिंह तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सेवानिवृत्त आईएएस सुश्री संध्या तिवारी मौजूद रही।

cmyk

सच कहूँ

www.sachkahoon.com | Sach Kahoon

epaper.sachkahoon.com

एनसीआर

दिल्ली, रा

लखनऊ में डॉ वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024 वितरण का भव्य समारोह सम्पन्न, कई संथाएं हुई पुरस्कृत

महान आत्माओं के जीवन का उद्देश्य बहुत ही व्यापक होता है: रविंद्र सिंह

■ डॉ. वेल्दी फिशर ने साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा, कृषि विकास आदि क्षेत्रों में दिया अभूतपूर्व योगदान

लखनऊ(सच कहूँ न्यूज)। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा लखनऊ में स्थित कानपुर रोड, साक्षरता निकेतन के कबीर थियेटर में शनिवार को डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। संस्था की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के जरिए साक्षरता एवंम आजीवन शिक्षा तथा कृषि विकास आदि के क्षेत्रों में दिए गए अभूतपूर्व योगदान के दृष्टिगत, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा उनके सम्मान में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को वर्ष 2023 से शुभारम्भ किया गया है । 15 फरवरी-25 को सम्पन्न हुए राष्ट्रीय स्तर के डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024,का वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में रवीन्द्र सिंह , आई .ए.एस. (से.नि.) सदस्य-सचिव, भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट , नई दिल्ली थे। तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय आर भूसरेड्डी , आई.ए.एस. (से .नि.), अध्यक्ष, उत्तर डेरा एवंम इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के द्वारा किया गया।

समारोह में इण्डिया लिटरसी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य जी. पटनायक, आई .ए.एस. (से .नि.), भानुप्रताप सिंह सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.), सदस्य, इण्डिया लिटरेसीबोर्ड,सन्ध्या तिवारी, आई .ए.एस. (से .नि.) निदेशक, इण्डिया लिट्रेसी बोर्ड के अतिरिक्त विक्रमाजीत तिवारी , आई .ए.एस. (से .नि.) सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डॉ. वेल्दी फिशर ने भारत में निरक्षरता के अन्धकार को मिटाने का बीडा उठाया: संध्या तिवारी

डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024, इस वर्ष जिला कारागार, फतेहपुर , अन्नपूर्णा महिला स्वंम सहायता समूह , बरेली एवंम गंगा महिला स्वंम सहायता समूह, मुजफ्फरनगर को संयुक्त रूप से दिया गया।

जिला कारागार, फतेहपुर को साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा अन्नपूर्णा महिला स्वंम सहायता समूह, बरेली एवंम गंगा महिला स्वंम सहायता समूह , मुजफ्फरनगर को कृषि कार्य में अभिनव प्रयोग के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार में संस्थाओं को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के जरिए नकद धनराशि, स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवंम शॉल आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेषक संध्या तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर ने महात्म गाँधी की प्रेरणा से भारत में निरक्षरता के अन्धकार को मिटाने का बीडा उठाया था इस क्रम में उनकी यात्रा वर्ष-1953 में एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट नैनी इलाहाबाद से शुरू हुई थी ।

डॉ. वेल्दी फिशर का मुख्य संदेश अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ

मुख्य अतिथि रविंद्र सिंह ने डॉ.वेल्दी फिशर फिषर के विषय में कहा कि वे अमेरिका ,भारत की नागरिक नहीं, बल्कि वो विश्व-नागरिक थी। ऐसी महान आत्माओं के जीवन का उद्देश्य बहुत ही व्यापक होता है और भाषा, धर्म, देश , जाति आदि की सीमाएँ उनके मार्ग में बाधा नहीं बनतीं। कहा कि डॉ वेल्दी फिशर का मूल मंत्र था , अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ , जो कि एक प्रकाशपुंज बनकर पूरे समाज को आलोकित कर रहा है। उनके द्वारा पुरस्कृत संस्थाओं के प्रतिनिधियों को साधुवाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

डॉ. वेल्दी फिशर का अभूतपूर्व योगदान : संजय आर भूस रेड्डी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इण्डिया लिट्रेसी बोर्ड के अध्यक्ष संजय आर. भूस रेड्डी ने प्रशन्नता व्यक्त करते हुए यह बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर के अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करने एवं उनके जीवन आदर्शों व कृतियों में रुचि पैदा करने के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष स्वीन्द्र सिंह के द्वारा प्रति वर्ष डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार दिये जाने का निर्णय लिया गया था। बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 1980 में डॉ. व वेल्दी फिशर के सम्मान में 30 पैसे का डाक टिकट भी जारी किया गया था। इस मौके पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के विशेष कार्याधिकारी अनूप कुमार श्रीवास्तव, सुधाकर मान सिंह, राम चन्द्र यादव, प्रदीप कुमार सिंह एवं शालिनी सक्सेना आदि के साथ-साथ इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, राज्य संसाधन केन्द्र, जन शिक्षण संस्थान एवं वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

साक्षरता निकेतन परिसर, कानपुर रोड, लखनऊ में डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024 वितरण का भव्य समारोह सम्पन्न

लखनऊ। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा कानपुर रोड, लखनऊ में स्थित साक्षरता निकेतन के कबीर थियेटर में दिनांक- 15.02.2025 को डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। इस संस्था की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के द्वारा साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा तथा कृषि विकास आदि के क्षेत्रों में दिए गए अभूतपूर्व योगदान को दृष्टिगत रखते हुए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा उनके सम्मान में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को वर्ष 2023 से प्रारम्भ किया गया है।

> दिनांक- 15.02.2025 को सम्पन्न हुए राष्ट्रीय स्तर के डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024 का वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्री रवीन्द्र सिंह, आई.ए.एस. (से.नि.) सदस्य-सचिव, भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (इंटैक), नई दिल्ली रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.), अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश रेरा एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के द्वारा किया गया।

> उक्त समारोह में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.), श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.), सदस्य, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अतिरिक्त श्री विक्रमाजीत तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) सहित अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे।

> डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024 इस वर्ष जिला कारागार, फतेहपुर, अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह, बरेली एवं गंगा महिला स्वयं सहायता समूह, मुजफ्फरनगर को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। जिला कारागार, फतेहपुर को साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह, बरेली एवं गंगा महिला स्वयं सहायता समूह, मुजफ्फरनगर को कृषि कार्य में अभिनव प्रयोग के लिए प्रदान किया गया।

> उक्त पुरस्कार में पुरस्कृत संस्थाओं को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा नकद धनराशि, स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं शॉल आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन, डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण तथा थीम-सॉन्ग के समूह गायन से प्रारम्भ हुआ।

> इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर ने महात्मा गाँधी की प्रेरणा से भारत में निरक्षरता के अन्धकार को मिटाने का बीड़ा उठाया था। इस क्रम में उनकी यात्रा वर्ष 1953 में एग्रीकल्चर स्टीट्यूट, नैनी, इलाहाबाद से प्रारम्भ हुई। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्री के. एम. मुंशी के आग्रह पर डॉ. फिशर ने वर्ष 1956 में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (साक्षरता निकेतन), लखनऊ की स्थापना की और नव्य प्रौढ़ शिक्षार्थियों के लिए 500 से अधिक पाठ्य-पुस्तकें तैयार कराईं तथा 80,000 से अधिक युवाओं को असाक्षरों एवं नव्य प्रौढ़ शिक्षार्थियों को पढ़ाने हेतु प्रशिक्षित किया। साक्षरता विकास के प्रयासों के क्रम में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कठपुतली कला के माध्यम से साक्षरता कार्यक्रम, साइकिल पुस्तकालय, ग्रामीण क्षेत्रों में साप्ताहिक बाजार के लिए सचल लाइब्रेरी आदि का संचालन कराया।

> कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र सिंह ने डॉ. वेल्दी फिशर के विषय में कहा कि वे अमेरिका अथवा भारत की नागरिक नहीं, बल्कि वो विश्व-नागरिक थीं। ऐसी महान आत्माओं के जीवन का उद्देश्य बहुत ही व्यापक होता है और भाषा, धर्म, देश, जाति आदि की सीमाएँ उनके मार्ग में बाधा नहीं बनतीं। श्री रवीन्द्र सिंह ने कहा कि डॉ. वेल्दी फिशर का मूलमंत्र था- अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ जो कि एक प्रकाशपुंज बनकर पूरे समाज को आलोकित कर रहा है। उनके द्वारा पुरस्कृत संस्थाओं के प्रतिनिधियों को साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी।

> कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए यह बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर के अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करने एवं उनके जीवन आदर्शों व कृतियों में रुचि पैदा करने के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष श्री रवीन्द्र सिंह जी, जो आज इस समारोह के मुख्य अतिथि भी हैं, के द्वारा प्रति वर्ष ह्यडॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार दिये जाने का निर्णय लिया गया था।

> अपने सम्बोधन में श्री भूसरेड्डी द्वारा बताया गया कि डॉ. वेल्दी फिशर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए अनेकानेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार उन्हें समय-समय पर प्राप्त हुए। डॉ. वेल्दी फिशर के द्वारा इस संस्था को स्थापित करने से लेकर पल्लवित-पुष्पित करने तक समस्त व्यय-भार स्वयं अपने स्रोतों से ही किया गया और इस हेतु उनके द्वारा कोई सरकारी सहायता अथवा ग्रान्ट आदि नहीं लिया गया।

> श्री भूसरेड्डी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 1980 में डॉ. वेल्दी फिशर के सम्मान में 30 पैसे का डाक टिकट भी जारी किया गया था।

> तीनों विजेता संस्थाओं के प्रतिनिधियों के द्वारा अपने सम्बोधन में यह विस्तार से बताया गया कि कोविड महामारी की विभीषिका के दौरान बहुत ढेर सारी चुनौतियों का सामना करते हुए उनके द्वारा किस प्रकार से लोगों को जोड़ा गया और एक संगठनात्मक ढाँचे को मूर्तरूप प्रदान करते हुए अपने >> कार्यक्रम के अन्त में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार, श्री प्रवीन टण्डन ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समस्त अतिथियों एवं आगान्तुक महानुभावों के लिए सम्मान एवं आदर व्यक्त किया। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के विशेष कार्याधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, श्री सुधाकर मान सिंह, श्री राम चन्द्र यादव, श्री प्रदीप कुमार सिंह एवं सुश्री शालिनी सक्सेना आदि के साथ-साथ इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, राज्य संसाधन केन्द्र, जन शिक्षण संस्थान एवं वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरेली, मुजफ्फरनगर के समूह कृषि कार्य में अव्वल

लखनऊ। साक्षरता निकेतन में रविवार को साक्षरता-आजीवन शिक्षा एवं कृषि क्षेत्रों में कार्यों के लिए डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार 2024 से विद्यार्थियों को नवाजा गया। इंडिया लिटरेसी बोर्ड की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस रविन्द्र सिंह मुख्य अतिथि रहे। अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह और गंगा महिला सहायता समूह बरेली एवं मुजफ्फरनगर को कृषि कार्य में अव्वल समूह बने।